हिन्दी दैनिक

लखनऊ जंक्शन

RNI NO.-UPHIN/2015/64743 Email-lkojunction@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 114 लखनऊ, गुरुवार 11 दिसम्बर 2025 पृष्ठ: 04 मूल्य: 01 रूपये

पीएम मोदी से मिले माइक्रोसॉफ्ट के CEO सत्य नडेला, भारत को बताया डाटा सेंटर का हब, निवेश को लेकर चर्चा

दिल्ली ब्यूरो

नयी दिल्ली। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने बुधवार को कहा कि वह भारत में उनकी कंपनी की ओर से स्थापित की जा रही डेटा सेंटर क्षमता को लेकर उत्साहित हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ कंपनी की निवेश योजना पर चर्चा की है। नडेला ने देश के कृत्रिम मेधा (एआई)–प्रधान भविष्य के लिए बुनियादी ढांचे और संप्रभु क्षमताओं के निर्माण में मदद करने के लिए 2030 तक 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की है जो पिछले दो महीनों में देश में तीसरा बड़ा एआई–संचालित निवेश है।

माइक्रोसॉफ्ट के यहां एक कार्यक्रम में नाडेला ने कहा '' हम डेटा सेंटर की बढ़ती क्षमता को लेकर बेहद उत्साहित हैं। पुणे, चेन्नई और मुंबई में हमारे पास पहले से ही सुविधाएं मौजूद हैं। हैदराबाद स्थित हमारे 'इंडिया साउथ सेंट्रल क्लाउड रीजन' को लेकर भी हम बेहद उत्सुक हैं जो अगले साल शुरू होने वाला है।'' हैदराबाद स्थित माइक्रोसॉफ्ट के 'इंडिया साउथ सेंट्रल क्लाउड रीजन' के 2026 मध्य में चालू होने की उम्मीद है। नडेला ने कहा, '' हमने जो निवेश किया है, उससे हम बेहद उत्साहित हैं। मुझे कल (मंगलवार) प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का मौका मिला और निवेश को लेकर हमारी उत्सुकता पर चर्चा की।''भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण व्यवस्था लागू होने की तैयारी के बीच माइक्रोसॉफ्ट भारतीय ग्राहकों के लिए संप्रभु सार्वजनिक क्लाउड और संप्रभु निजी क्लाउड सेवाएं शुरू कर रहा है। उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि लोगों के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि संप्रभुता के साथ–साथ विश्व स्तरीय साइबर सुरक्षा एवं मजबूती सुनिश्चित करना भी जरूरी है।'

यूपी ने एसआईआर के लिए दो सप्ताह का और मांगा समय

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव आयोग को भेजा पत्र

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग से दो सप्ताह का और समय मांगा गया है। इसकी जानकारी देते हुए प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस संबंध में आयोग को पत्र भेज दिया गया है, ताकि मृतक, स्थानांतरित और अनुपस्थित मतदाताओं का पुनरू सत्यापन कराया जा सके। रिणवा ने बताया कि प्रदेश में 99.24 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है। डिजिटाइज गणना प्रपत्रों में 18.85 प्रतिशत गणना प्रपत्र असंग्रहीत यानी मृतक, स्थाई रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं की श्रेणी में चिह्नित किए गए हैं। अभी तक 80.29 प्रतिशत गणना प्रपत्र मतदाता व उसके परिवार के अन्य सदस्य के हस्ताक्षर से वापस मिल चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 18.85 प्रतिशत लगभग 2.91 करोड़ मतदाताओं के गणना प्रपत्र असंग्रहीत श्रेणी के हैं, जिसमें सर्वाधिक 8.22 प्रतिशत यानी लगभग 1.27 करोड़ स्थायी रुप से अपने निवास स्थान से स्थानांतरित मतदाता हैं। 2.98 प्रतिशत यानी लगभग 45.95 लाख मृतक मतदाता, 1.5 प्रतिशत यानी लगभग 23.69 लाख ऐसे मतदाता हैं, जो पहले से ही किसी और स्थान पर भी मतदाता हैं। 0.62 प्रतिशत या 9.58 लाख ऐसे मतदाता हैं, जिन्होंने गणना प्रपत्र लेकर अभी तक वापस नहीं किया। वहीं, 5.49 प्रतिशत यानी 84.73 लाख मतदाता अनुपस्थित हैं। 76 प्रतिशत से अधिक मैपिंग का काम मतदाताओं से अभी तक प्राप्त गणना प्रपत्रों की मैपिंग का काम 76 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। यह मैपिंग वर्ष 2003 की मतदाता सूची से की गई है। उन्होंने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मैपिंग के काम में और तेजी लाते हुए इसे जल्द से जल्द पूरा करें। जिनका सूची में नाम नहीं, फॉर्म–6 भरें उन्होंने कहा कि ऐसे मतदाता जिनका नाम वर्ष–2025 की मतदाता सूची में न होने से उनको गणना प्रपत्र नहीं प्राप्त हुए, उनसे फार्म–6 भरवाएं जाएं। इसी तरह 1 जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे युवाओं को मतदाता बनने के लिए फार्म–6 भरवाए जाएं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 14 जिलों, 132 विधानसभा क्षेत्रों और 143509 मतदेय स्थलों में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है। वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी असंग्रहीत मतदाताओं की सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से मृतक, स्थाई रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के सत्यापन में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि सभी बूथ लेवल अधिकारी बैठककर अपने क्षेत्र के बूथ लेवल एजेंट को 12 दिसंबर तक असंग्रहीत मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराएंगे। यह सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी।

सीबीआई ने एचपीजेड टोकेन निवेश धोखाधड़ी मामले में दाखिल किया आरोप पत्र, चीनी नागरिक भी शामिल

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एचपीजेड टोकन निवेश धोखाधड़ी मामले में आरोप पत्र दायर किया है, जिसमें एक चीनी नागरिक के स्वामित्व वाली संस्था शिगू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल है। सीबीआई ने बुधवार को बताया कि आरोपियों ने श्एचपीजेड टोकनश् नाम से एक फर्जी मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया था, जिसमें दावा किया गया था कि निवेश का उपयोग शक्रिप्टोकरेंसी माइनिंग के लिए किया जाएगा, जिससे बहुत अधिक लाभ मिलेगा। धोखेबाजों ने सिर्फ तीन महीनों के भीतर करोड़ों रूपये ठग लिए और फिर उस धन को कहीं और स्थानांतरित कर दिया। एक अधिकारी ने कहा, सीबीआई की जांच से पता चला कि यह कोई अकेली घटना नहीं थी, बल्कि विदेशी नागरिकों द्वारा संचालित एक बड़े, सुनियोजित साइबर अपराध नेटवर्क का हिस्सा थी। यह गिरोह पोस्ट–कोविड अवधि में ऋण ऐप्स, फर्जी निवेश ऐप्स और नकली ऑनलाइन नौकरी के ऑफर देने वाले प्लेटफार्मों का उपयोग करके भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने वाले कई साइबर घोटालों के लिए जिम्मेदार था। सीबीआई ने शुरू में रजनी कोहली, सुशांत बेहरा, अभिषेक, मोहम्मद इमदाद हुसैन रजत जैन और डार्टस नामक छह लोगों को गिरफ्तार किया था, लेकिन अब 30 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। इनमें दो चीनी नागरिक वान जून और ली आनमिंग भी शामिल हैं, जिन्होंने इन धोखाधड़ियों को निर्देशित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वान जून जिलियन कंसल्टेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक एक कंपनी की निदेशक थी, जो चीनी संस्था जिलियन कंसल्टेंट्स की सहायक कंपनी थी। वान जून ने डार्टसे की मदद से शिगू टेक्नोलॉजीज सहित कई फर्जी कंपनियां सफलतापूर्वक बनाईं। जांच से पता चला है कि ये फर्जी कंपनियाँ बड़े संगठित साइबर धोखाधड़ी अपराध से अर्जित आय से बनाई गई थीं। इन कंपनियों के बैंक खातों से कुछ ही महीनों में एक हजार करोड़ से अधिक की राशि स्थानांतरित की गई। यह पुरा गिरोह एक संगठित तंत्र के रूप में विदेश से काम कर रहा था। जांच से पता चला है कि इस धोखाधड़ी में एक उन्नत श्पेमेंट एग्रीगेटरश का उपयोग किया गया था। कोविड–19 से कुछ समय पहले ही भारत में कई भुगतान एक प्लेटफार्म पर होने शुरू हुए थे और पेमेंट एग्रीगेटर्स बड़ी मात्रा में कंपनियों को भुगतान सेवा उपलब्ध करवा रहे थे।

अब रेलवे स्टेशन बनेंगे लग्जरी हब, 1300 स्टेशनों का होगा कायाकल्प, रेल मंत्री ने बताया प्लान

एजेंसी

नयी दिल्ली। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने लोकसभा में बुधवार को कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्निर्माण चल रहा है जिसमें 160 स्टेशन का काम पूरा हो चुका है। वैष्णव ने प्रश्नकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी के गोडम नागेश के सवाल पर कहा कि देश भर में करीब सात हजार स्टेशन है। स्टेशन का ग्रेड तय करने के लिए वहां सवारियों की आवाजाही पर निर्भर करता है। सरकार ने पुनर्निर्माण करने के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना चलायी है। उन्होंने कहा कि1300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्निर्माण चल रहा है। एक सौ साठ स्टेशन का काम हो चुका है। पहले स्टेशन की सिर्फ रंगाई पुताई होता था अब आगामी पचास साल जरूरतों के हिसाब से स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। यह एक नयी पहल की गयी है। स्टेशन की पार्किंग को भी विकसित करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि देश भर में हाइजीन पर 11 वर्षों में काफी परिवर्तन आया है। इससे पहले वहां किस तरह का

वातावरण था उससे सभी अवगत है। सफाई का अब नया मानक तय किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि स्टेशन विकास बहुत ही कॉम्प्लेक्स काम है। स्टेशन की गतिविधियों को रोके बिना विकास का काम करना है। यातायात को प्रभावित किये बिना ही काम किया जा रहा है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। आजादी के बाद पहली बार इस प्रकार का काम स्टेशनों के विकास के लिए किया जा रहा है।

जयशंकर ने इटली के विदेश मंत्री से की मुलाकात, कहा– हमारी साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित

दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बुधवार को इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंतोनियो ताजानी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की यह बैठक भारत–इटली संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जयशंकर ने कहा कि ताजानी का लगातार भारत आना यह दिखाता है कि इटली भारत के साथ अपने रिश्तों को बेहद गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि यह निरंतर संवाद दोनों देशों के बीच व्यक्तिगत, राजनीतिक और कूटनीतिक स्तर पर संबंधों को नई दिशा दे रहा है। बैठक के दौरान जयशंकर ने साफ कहा कि भारत–इटली साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है और दोनों देशों की सभ्यता, संस्कृति और विरासत एक–दूसरे के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक परिस्थितियों में दोनों देशों का यह सहयोग दुनिया में स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जयशंकर ने ताजानी का स्वागत करते हुए कहा कि यह लगातार होने वाली बातचीत दोनों देशों की योजना और एजेंडा को ताजा करने में मदद करती है। व्यक्तिगत और सरकारी स्तर पर रिश्ते मजबूत– जयशंकर जयशंकर ने बताया कि ताजानी की भारत यात्राओं से दोनों देशों के बीच विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इन मुलाकातों ने न सिर्फ दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत संबंध मजबूत किए हैं, बल्कि सरकारों के बीच भी सहयोग बढ़ाया है। जयशंकर ने कहा कि भारत–इटली के रिश्ते अब सिर्फ औपचारिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विकसित होते वैश्विक माहौल में दोनों एक–दूसरे के भरोसेमंद साझेदार बन चुके हैं। प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात ने भविष्य की दिशा तय की– जयशंकर जयशंकर ने बताया कि ताजानी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई बैठक बहुत सकारात्मक रही। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात ने आने वाले समय में भारत–इटली संबंधों की दिशा और गति दोनों को स्पष्ट कर दिया है। प्रधानमंत्री के साथ हुई उच्च स्तर की चर्चा ने यह संकेत दिया है कि रक्षा, व्यापार, निवेश, शिक्षा, औद्योगिक तकनीक और विज्ञान जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों का सहयोग और तेजी से बढ़ेगा। निरंतर संवाद से एजेंडा आगे बढ़ता है– जयशंकर जयशंकर ने कहा कि भारत और इटली लगातार संपर्क में रहते हैं और यह संवाद ही दोनों देशों की साझेदारी को मजबूत बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि ऐसी बैठकों में दोनों देश अपने एजेंडा को अपडेट करते हैं, नई संभावनाओं की पहचान करते हैं और भविष्य की योजनाओं को आगे बढ़ाते हैं। ताजानी के नेतृत्व में आई इटली की प्रतिनिधिमंडल टीम से विस्तृत वार्ता के बाद दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तृत करने की इच्छा जताई। स्थिर और सुरक्षित दुनिया के लिए साझा प्रतिबद्धता– जयशंकर भारत और इटली ने अपनी बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करेंगे। जयशंकर ने कहा कि भारत–इटली साझेदारी सिर्फ दोनों देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने राजगोपालाचारी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि, कहा– 20वीं सदी के उन तेजस्वी विचारकों में से एक

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी सी. राजगोपालाचारी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उन्हें 20वीं सदी के सबसे प्रमुख विचारकों में से एक बताया। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, "स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक, बुद्धिजीवी, राजनेता – जब हम सी. राजगोपालाचारी को याद करते हैं तो यही शब्द जेहन में आते हैं। उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। वह 20वीं सदी के उन तेजस्वी विचारकों में शामिल रहे, जो मानवीय मूल्यों और गरिमा को सर्वोपरि मानते थे। राष्ट्र उनके अविस्मरणीय योगदानों को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करता है।"

राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं– मानवाधिकारों की रक्षा केवल सरकारों का नहीं, नागरिकों का भी साझा कर्तव्य

दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को आग्रह किया कि मानवाधिकारों की रक्षा करना केवल सरकारों, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) या ऐसे अन्य संस्थानों की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि साथी नागरिकों के अधिकारों एवं गरिमा की रक्षा करना एक साझा कर्तव्य है। भारत मंडपम में एनएचआरसी के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि ये हमें यह याद दिलाने का अवसर है कि सार्वभौमिक मानवाधिकार अविभाज्य हैं और वे एक न्यायपूर्ण, समान और दयालु समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि सार्वभौमिक मानवाधिकार अहस्तांतरणीय हैं और वे न्यायपूर्ण, समतामूलक और दयालु समाज की नींव हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मानवाधिकार सामाजिक लोकतंत्र को बढ़ावा देते हैं और वे डर के बिना जीने, बाधाओं के बिना सीखने और शोषण के बिना काम करने के अधिकार को समाहित करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, यह बिल्कुल सही है कि मानवाधिकार सिद्धांतों के प्रति भारत की लगातार प्रतिबद्धता को

विश्व स्तर पर मान्यता मिली है। इसका सबूत 2026 में शुरू होने वाले तीन साल के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत का सातवीं बार निर्विरोध चुनाव है। उन्होंने कहा, हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट हैरू एक ऐसा राष्ट्र बनाना जहां हर व्यक्ति स्वतंत्रता, सम्मान और समानता के साथ रह सके और जहां मानवाधिकारों की न केवल रक्षा की जाए, बल्कि उन्हें मनाया भी जाए। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मानवाधिकार सामाजिक लोकतंत्र को बढ़ावा देते हैं और उनमें बिना डर के जीने का अधिकार, बिना किसी बाधा के सीखने का अधिकार, बिना शोषण के काम करने का अधिकार और गरिमा के साथ बुढ़ापा बिताने का अधिकार शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने दुनिया को याद दिलाया है कि मानवाधिकारों को विकास से अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा इस शाश्वत सत्य का पालन किया है–न्याय के बिना शांति नहीं है और शांति के बिना न्याय नहीं है। राष्ट्रपति ने एनएचआरसी के नए मोबाइल एप्लिकेशन के लॉन्च पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया है कि यह एप एनएचआरसी की शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को सभी के लिए ज्यादा सुलभ बनाएगा। लोग अपनी शिकायतों का स्टेटस भी ट्रैक कर पाएंगे। यह युवा छात्रों को इंटर्नशिप और सीखने के अन्य अवसरों के लिए एनएचआरसी तक पहुंचने में भी मदद करेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि एनएचआरसी राज्य और समाज के कुछ आदर्शों को व्यक्त करता है।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, सभी दलों को मृत, स्थानांतरित मतदाताओं की सूची सौंपी जाएगी

दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बुधवार को कहा कि जिन 12 राज्यों और केंद्र–शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जारी है, वहां मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ–स्तरीय एजेंट को मृत, स्थानांतरित और अनुपस्थित मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराई जाएगी। नौ राज्यों और तीन केंद्र–शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूची 16 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी। आयोग ने सभी प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को बूथ–वार अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत या डुप्लिकेट मतदाताओं की सूची बूथ–स्तरीय

एजेंटों (बीएलए) के साथ साझा करने को कहा है। ये वे मतदाता हैं जिनसे बूथ–स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) तीन प्रयासों के बावजूद संपर्क स्थापित नहीं कर सके। आयोग ने बिहार एसआईआर के दौरान भी यही प्रक्रिया अपनाई थी। कोलकाता : बीएलओ को गाली देने पर शख्स के खिलाफ एफआईआर चुनाव आयोग (ईसी) ने बुधवार को कोलकाता के एक व्यक्ति के खिलाफ बूथ लेवल पदाधिकारी (बीएलओ) को धमकाने और गाली देने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने मतदाता से जुड़े फॉर्म पर संपर्क करने पर बीएलओ के साथ अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया और उसे धमकी दी। बीएलओ की शिकायत के बाद जादवपुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी के पास कोलकाता के बाहर सहित कई पतों से जुड़े फर्जी वोटर कार्ड हैं। चुनाव आयोग इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई कर रहा है।

एसआईआर की प्रक्रिया के बीच प्रदेश में नए वोटर बनाने का काम हुआ शुरू, ऑनलाइन भी कर सकते हैं आवेदन

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जारी है। इस दौरान अब नए वोटरों को भी जोड़ने का काम शुरू हो गया है। जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और उनका मतदाता सूची में नाम नहीं, उन्हें मतदाता बनने का मौका मिल रहा है। इसके लिए ऑफलाइन या ऑनलाइन फॉर्म–6 भरना होगा। पहचान व पते से संबंधित दस्तावेज देने होंगे। एक निश्चित समय के बाद नाम मतदाता सूची में जुड़ जाएगा।

एसआईआर फॉर्म भरवाकर जमा करने का काम लगभग पूरा हो चुका है। आठ–दस फीसदी फॉर्म ऐसे बचे हैं, जिन्हें जमा कराना बाकी है। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अभय किशोर ने बताया कि अब नए वोटरों

को जोड़ने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। आवेदन आ भी रहे हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर फॉर्म–6 भरकर नए वोटर के लिए आवेदन किया जा सकता है। अगर ऑनलाइन आवेदन करने में कोई दिक्कत आ रही है तो बीएलओ से संपर्क कर ऑफलाइन आवेदन करने की सुविधा है। एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विस्थापित हुए लोगों के नाम भी जोड़े जाएंगे। इसके लिए उन मतदाताओं को फॉर्म–8 भरना होगा। और तस्दीक करने में होगी सहूलियत प्रशासन के अफसर ने बताया कि अभी तक 11 दिसंबर एसआईआर की आखिरी तारीख थी। इसी हिसाब से कार्य किया जा रहा था। कार्य लगभग पूरा हो चुका है। ऑनलाइन डाटा फीडिंग का भी काम तकरीबन पूरा हो चुका है। चूंकि अब दो सप्ताह का समय और मिल गया है, इससे डाटा तस्दीक करने में और सहूलियत मिलेगी। कोई दिक्कत आए तो करें कॉल अब भी जिन्होंने एसआईआर फॉर्म भरकर जमा नहीं किया है, वह भर सकते हैं। एसआईआर फॉर्म भरना हो या फिर नए वोटर बनने के लिए आवेदन संबंधी जानकारी चाहिए तो इसके लिए 0522–1950 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। हेल्पलाइन पर आयोग से संबंधित कर्मचारी पूरी जानकारी देंगे और फॉर्म भरवाने में मदद करेंगे।

संपादकीय

बच्चों पर संकट

इस सदी के ढाई दशक में बाल मृत्यु दर घटने को दुनिया की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया गया था, लेकिन अब इस सदी में पहली बार बाल मृत्यु दर में वृद्धि की आशंका जतायी जा रही है। गेट्स फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है दुनिया भले ही अमीर हो गई है लेकिन गरीब देशों के बच्चों पर होने वाला खर्च घटा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, धनी देशों द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य खर्च पर 27 फीसदी की कटौती की गई है। जिससे इस वर्ष दो लाख अतिरिक्त बच्चों की मौत की आशंका जतायी जा रही है। दरअसल, ये मौतें उन बीमारियों से हो सकती हैं, जिन्हें अमीर देशों से मिलने वाली मदद से होने वाले टीकाकरण और बुनियादी इलाज से टाला जा सकता था। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंतित हैं कि जिस समय दुनिया में संपत्ति सबसे तेजी से बढ़ रही है, उस समय गरीब देशों के बच्चों पर स्वास्थ्य खर्च का घट जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। आशंका जतायी जा रही है कि यदि स्वास्थ्य सहायता में तीस प्रतिशत की कटौती हो जाती है तो वर्ष 2045 तक 1.6 करोड़ अतिरिक्त बच्चों की मौत हो सकती है। विडंबना देखिए कि इस आसन्न संकट को नजरअंदाज करके विकसित देश अपने रक्षा व आंतरिक खर्च को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। जबकि अमीर देशों द्वारा गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य के लिये दिया जाने वाला पैसा उनके बजट के एक फीसदी से भी कम है। गेट्स फाउंडेशन का विश्व के अमीर देशों से आग्रह है कि वे दुर्लभ संसाधनों को उन स्थानों पर लक्षित करें, जहां वे सबसे अधिक जीवन बचा सकते हैं। दरअसल, संकट में वे बच्चे हैं, जो अपना पांचवां जन्मदिन मनाने से पहले ही मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं। इस संकट बढ़ने से दशकों से हासिल वैश्विक प्रगति बेकार हो जाएगी। निस्संदेह, दुनिया में कहीं भी पैदा हुए बच्चे को जीवित रहने और फलने–फूलने का अवसर मिलना चाहिए। दरअसल, गेट्स फाउंडेशन की गोलकीपर्स रिपोर्ट और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन ने बताया कि 2024 में, 4.6 मिलियन बच्चों की पांचवें जन्मदिन से पहले मौत हो गई थी। आशंका है कि आर्थिक मदद में कटौती से इस वर्ष इस संख्या में दो लाख की वृद्धि से इसके बढ़कर 4.8 मिलियन बच्चों तक पहुंचने की आशंका है। जिसकी मूल वजह स्वास्थ्य के लिये वैश्विक मदद में आई बड़ी गिरावट है। इस वर्ष सहायता निधि में भारी कटौती के अलावा गरीब देशों के बढ़ते कर्ज, कमजोर स्वास्थ्य सिस्टम के चलते मलेरिया, एचआईवी और पोलियो जैसी बीमारियों के विरुद्ध हासिल उपलब्धियों को खोने का जोखिम बढ़ सकता है। हालिया रिपोर्ट बताती है कैसे प्रमाणित समाधानों और अगली पीढ़ी के नवाचारों में लक्षित निवेश से सीमित बजट में लाखों बच्चों का जीवन बचाया जा सकता है। निस्संदेह, गरीब मुल्कों के ये बच्चे सुरक्षित जीवन पाने के हकदार हैं। गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स कहते हैं विश्व में गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य रक्षा के लिये वित्तीय संसाधन बढ़ाने व वर्तमान सिस्टम में सुधार हेतु दक्षता बढ़ाने की जरूरत है। हमें कम संसाधनों में अधिक काम करना होगा। यदि ऐसा नहीं होता तो हमारी पीढ़ी के दामन पर दाग लगेगा कि मानव इतिहास में सबसे उन्नत विज्ञान और नवाचार की पहुंच के बावजूद हम लाखों बच्चों का जीवन बचाने के लिये धन नहीं जुटा पाए। हम सही प्राथमिकताएं और प्रतिबद्धताएं तय करके तथा उच्च प्रभाव वाले समाधानों में निवेश करके बाल मृत्यु दर वृद्धि को रोक सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो हम वर्ष 2045 तक कई मिलियन बच्चों को जीवित रहने में मदद कर सकते हैं। इसके लिये जरूरी होगा कि हम विदेशी मदद का अधिकतम उपयोग करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, नियमित टीकाकरण, गुणवत्ता के टीके और डेटा के नये उपयोग पर अधिक ध्यान दें। निस्संदेह, इन बीमारियों से लड़ने के लिये वैश्विक प्रतिबद्धता को जारी रखने की जरूरत है। गेट्स फाउंडेशन का मानना है कि अगली पीढ़ी के नवाचारों के विकास में निवेश से हम बच्चों में होने वाले मलेरिया और निमोनिया जैसे कुछ घातक रोगों को हमेशा के लिये खत्म कर सकते हैं।

राशिफल

मेष :– कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुला :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिक :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

एकांत का सौंदर्य और भीतर की यात्रा : बदलते समय में आत्मिक अनुशासन की आवश्यकता

बाहरी दुनिया की चकाचौंध के बीच भीतरी संसार को सँभालना ही जीवन का सबसे बड़ा संतुलन

– डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का मनुष्य निरंतर दौड़ में हैकृ लक्ष्य पाने की दौड़, दिखावे की दौड़, और दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करने की दौड़। इस भागदौड़ के बीच जो सबसे अधिक छूट गया है, वह है मनुष्य का अपना आंतरिक जगत। आधुनिक जीवनशैली ने हमें बाहरी दुनिया से इतना जोड़ दिया है कि हम स्वयं से मिलने का समय ही खो बैठे हैं। ऐसे समय में 'एकांत' कोई विलासिता नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। यही वह क्षण है जब जीवन हमें धीरे से कहता हैकृआंतरिक रूप से एकांत में रहिए, लक्ष्यहीन जीवन मत बिताइए, ध्यान कीजिए और अच्छी पुस्तकें पढ़िए। जीवन की दिशा तभी स्पष्ट होती है जब मन के भीतर शांति हो। लक्ष्यहीन भटकाव केवल थकाता है, प्रेरित नहीं करता। आत्मिक यात्रा के लिए एकांत वह दीपक है जो मन की गहराइयों को रोशन करता है। ध्यान और अध्ययन उस गहराई को दिशा देने वाले दो मजबूत स्तंभ हैं। ध्यान व्यक्ति को स्थिरता देता है और अध्ययन उसे विस्तार प्रदान करता है। दोनों मिलकर जीवन में लक्ष्य, अनुशासन और सृजनात्मकता का संचार करते हैं। यह आवश्यक नहीं कि मनुष्य समाज से कट जाए। मनुष्य सामाजिक प्राणी हैकृलोगों में थोड़ा घुलनादृमिलना जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। किन्तु वास्तविक समस्या तब उत्पन्न होती है जब हम लोगों में इतने खो जाते हैं कि स्वयं से मिलने का अवसर ही न बचे। इसलिए प्रतिदिन एकदृदो घंटे अपने लिए निकालना केवल मानसिक स्वास्थ्य नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का सबसे बड़ा मंत्र है। यही समय हमें सजग बनाता है, थकान को धोता है, और भीतर की ऊर्जा को पुनः भरता है। अलग रहिए, पर अपने अंतर में स्थित रहिएकृयही आदर्श संतुलन है। एकांत का आनंद उठाना किसी पलायन का नाम नहीं है। यह स्वयं को पुनः निर्मित करने की प्रक्रिया है। यह वह शांति है जो किसी कोने में बैठकर मन को उसकी मौलिक लय में वापस ले आती है। यह वह स्पेस है जहाँ जीवन के अनुत्तरित प्रश्न स्वयं उत्तर बनने लगते हैं। विचार निर्मल होते हैं, भावनाएँ संयमित होती हैं, और लक्ष्य स्पष्ट होने लगते हैं। इतने सारे लाभों के बावजूद लोग एकांत से डरते हैं, क्योंकि उन्होंने स्वयं के साथ बैठने का अभ्यास ही नहीं किया। लेकिन सच यही हैकृजो व्यक्ति स्वयं के साथ सुखी है, वही दूसरों को भी सुख दे सकता है। किन्तु एकांत का आनंद लेने का अर्थ यह नहीं कि समाज से विमुख हो जाएँ। मनुष्य का व्यक्तित्व पूर्ण तब होता है जब वह एकांत और मेलदृमिलाप के बीच संतुलन बनाए रखे। जब आप दूसरों से मिलें तो पूरे प्रेम और मित्रता के साथ मिलें। आपकी उपस्थिति लोगों के मन में सकारात्मकता भर दे, यह एक साधना है; और इस साधना का आधार भी एकांत ही है। जो व्यक्ति भीतर से स्थिर होता है, वही दूसरों के लिए प्रेरणा बनता है। ऐसे व्यक्ति को देखकर लोग भूलते नहीं; वे याद रखते हैं कि वे एक ऐसी आत्मा से मिले थे जिसने उनके भीतर प्रसन्नता और प्रेम के बीज बोए। आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि लोगों के बीच रहते हुए भी लोग भीतर से अकेले हो गए हैं, और अकेले रहते हुए भी स्वयं से कटे हुए हैं। सोशल मीडिया की चमक, निरंतर सूचना के प्रवाह और बाहरी अपेक्षाओं का बोझ मन को ऐसा व्यस्त बनाए रहता है कि शांति का क्षण मिलना दुर्लभ हो जाता है। ऐसे माहौल में एकांत हमें उसी तरह बचाता है जैसे समुद्र में तैरते हुए किसी नाविक को तट बचाता है। जीवन की तेज़ हवाओं में यह हमारा एंकर बन जाता है। एकांत जीवन को संतुलन देता है। ध्यान उसे गहराई देता है। अध्ययन उसे दिशा देता है। और प्रेमकृवह जीवन को सार्थक बनाता है। जब यह चारों तत्व एक साथ मिलते हैं, तब जीवन केवल बाहरी उपलब्धियों का खेल नहीं रहता; वह अर्थपूर्ण यात्रा बन जाता है। समाज को ऐसे ही व्यक्तियों की आवश्यकता हैकृजो भीतर से शांत हों और बाहर से करुणामय; जो अपनी अकेली सुबहों में आत्मा को मजबूत करते हों और अपनी भीड़ भरी दोपहरों में दुनिया को मुस्कान देते हों; जिनकी उपस्थिति लोगों को छोटा न करे बल्कि ऊँचा उठाए; जिनकी वाणी में विनम्रता हो, मन में करुणा हो और जीवन में दृढ़ता। संदेश स्पष्ट हैकृअपने भीतर लौटिए। जीवन को दिशा दीजिए। कुछ देर अकेले बैठिए, पर जब दुनिया से मिलिए तो प्रेम और मित्रता के साथ मिलिए। ताकि लोग आपको इसलिए याद रखें कि आपने उनके हृदय में खुशी और आशा का एक छोटा सा दीप जला दिया था। यही एकांत का उद्देश्य हैकृपहले स्वयं को प्रकाशित करना और फिर उस प्रकाश से दुनिया को हमदजसल छू लेना।

वर्दीधारी तानाशाहों की बदनाम परम्परा

–शेखर गुप्ता

बीसवीं सदी से दुनिया कई वर्दीधारी तानाशाहों को देखती आ रही है। लेकिन पाकिस्तान ने फौजी हुकूमत के जितने नए–नए रूप पेश किए हैं, उतने किसी और देश ने नहीं किए। सबसे ताजा और हैरतअंगेज रूप यह है कि आसिम मुनीर को अगले पांच साल के लिए आर्मी चीफ और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त करने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह पाकिस्तानी फौज के इतिहास के हिसाब से भी अविश्वसनीय है। इसे इस तरह देखिए। पिछले 75 वर्षों में पाकिस्तान में 29 वजीर–ए–आजम (प्राइम मिनिस्टर) हुए, लेकिन कोई भी पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया, क्योंकि फौज ने उन्हें ऐसा नहीं करने दिया। लेकिन मुनीर ने मौजूदा प्रधानमंत्री से खुद को पांच साल के लिए सीडीएस नियुक्त करवा लिया। यह एक फौजी तानाशाह की ऐसी खोज है, जिसे टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में टेस्ला या पलानतीर की उपलब्धियों के बराबर माना जा सकता है। पहले तो मुनीर ने शरीफ की हुकूमत को राजी किया कि वह उन्हें उनकी रिटायरमेंट की तारीख से एक दिन पहले सेना अध्यक्ष नियुक्त कर दे, जबकि वर्तमान सेना अध्यक्ष कमर जावेद बाजवा पद पर कायम ही थे। इस तरह पाकिस्तान को दो दिन के लिए दो सेनाध्यक्ष मिल गए थे। मुनीर का तीन साल का कार्यकाल 28 नवंबर को खत्म हुआ तो वे उस दिन रिटायर हो गए, लेकिन एक सप्ताह तक– जब तक कि उन्हें सीडीएस और सेनाध्यक्ष नियुक्त करने की अधिसूचना जारी

नहीं हुई– वे फौज के प्रमुख बने रहे। मेरे ख्याल से उन्हें पिछली तारीख से नियुक्त किया गया होगा, वरना कोई भी ऑडिटर बिना किसी नौकरी के एक सप्ताह का वेतन दिए जाने पर आपत्ति करता। बेशक ऐसा करने की हिम्मत कोई बेपरवाह गुस्ताख ऑडिटर ही करेगा। अभी और भी बहुत कुछ जान लीजिए। उन्होंने इमरान खान और उनकी पत्नी को जेल में बंद करके उनकी पार्टी को 2024 का चुनाव लड़ने नहीं दिया और धांधली करके अपनी पसंद के शाहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री बना दिया।

फिर वे उसी प्रधानमंत्री से खुद को प्रमोट करवा के फील्ड मार्शल बन बैठे और मुल्क के संविधान में 27वां संशोधन करवा के खुद को जीवन भर के लिए फील्ड मार्शल भी बनवा लिया। यही नहीं, सीडीएस को पांच साल के कार्यकाल के साथ सभी सेनाओं का बॉस बनवा लिया और यह भी व्यवस्था करवा ली कि उस पर कोई मुकदमा नहीं चलाया जा सकेगा। सार यह कि जनरल साहब जीवन भर के लिए मुकदमे आदि से मुक्त फील्ड मार्शल बन गए और सेना अध्यक्ष का तीन साल का अपना कार्यकाल पूरा करने के साथ ही पांच साल के लिए सीडीएस बन गए। यह सब एक निर्वाचित प्रधानमंत्री, संसद, संविधान के मार्फत हुआ, जिसमें संशोधन को उन सांसदों ने मंजूर किया, जो विपक्ष–मुक्त चुनाव जीत कर आए हैं। पाकिस्तान के फौजी तानाशाहों के इतिहास में सबसे नया अध्याय उसके संविधान और संसद की मंजूरी से जोड़ा गया है। मानो पाकिस्तान में सर्वोच्च पदों के लिए निर्वाचित दो व्यक्तियों– प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने अपनी सियासी मौत के परवाने पर खुद ही दस्तखत कर दिया हो। किसी असैनिक सरकार ने फौजी जनरल को सत्ता संभालने के लिए आमंत्रित किया हो, यह पाकिस्तान के लिए कोई अनहोनी घटना नहीं है। 1958 में, असैनिक राष्ट्रपति इस्कंदर मिर्जा ने मार्शल लॉ लागू करके जनरल मुहम्मद अय्यूब खान को 'चीफ मार्शल लॉ एडमिनिस्ट्रेटर' (सीएमएलए) नियुक्त किया था। अय्यूब ने मिर्जा को ही बर्खास्त कर दिया, खुद राष्ट्रपति बन बैठे और एक गुमनाम, मुफीद शख्स मुहम्मद मूसा खान को अपने मातहत सेना अध्यक्ष बना दिया। लेकिन तब यह सवाल खड़ा हो गया कि एक जनरल किसी जनरल को ही कैसे रिपोर्ट करे? सो, अय्यूब ने खुद को फील्ड मार्शल नियुक्त कर लिया। मूसा 1966 तक पद पर रहे। इसने पाकिस्तानी सेना अध्यक्षों के लिए लंबे कार्यकाल का रास्ता बना दिया। तुलना करें तो पाकिस्तान में अब तक केवल 17 सेना अध्यक्ष हुए हैं, जबकि भारत में अभी 31वें सेना अध्यक्ष पद पर आसीन हैं। 2030 में मुनीर जब अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, तब तक भारत को 33वें सेना अध्यक्ष मिल चुके होंगे। अय्यूब ने पार्टी विहीन, 'निर्देशित लोकतंत्र' का आविष्कार किया, फर्जी चुनाव करवाए और जिन्ना की बहन फातिमा को भी चुनाव में हरवा दिया। अय्यूब ने कमान जनरल याह्या खान को सौंपी। याह्या के विदेश मंत्री हुए जुल्फिकार अली भुट्टो। याह्या ने भी एक चुनाव करवाया। लेकिन उनके अनुसार 'गलत' पक्ष, मुजीबुर्रहमान की अवामी लीग चुनाव जीत गई तो उन्होंने चुनाव नतीजों को खारिज कर दिया। उनके बाद भुट्टो ने 1977 में मार्शल लॉ के साथ प्रयोग करने की कोशिश की, लेकिन जनरल जिया–उल हक ने उनकी छुट्टी कर दी, उन्हें जेल में डाल दिया और फांसी पर चढ़ा दिया। जिया ने 'निजाम–ए–मुस्तफा' कायम करने की कोशिश की, फिर प्रायोजित चुनाव करवा के लंगड़ा लोकतंत्र बहाल करने की कोशिश की और इस चुनाव के बाद बने प्रधानमंत्री मोहम्मद खान जुनेजो को बर्खास्त कर दिया। 17 अगस्त 1988 को वे बहावलपुर में सी–130 विमान हादसे या बम विस्फोट में मारे गए, और इतिहास उनके और 'कल्पनाशील' प्रयोगों से वंचित रह गया। तब से, वहां कोई–न–कोई फौजी जनरल या तो सीधे सत्ता संभालता रहा है (जैसे परवेज मुशर्रफ) या बाहर से कमान को काबू में रखता रहा है या परदे के पीछे से डोर खींचता रहा है और हुकूमत को बहलाकर अपना कार्यकाल बढ़वाता रहा है। लेकिन मुनीर तो एक नई ही पटकथा लेकर आए हैं। श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल में कोई फौजी जनरल सत्ता हथिया सकता था। लेकिन उन्होंने सेना का प्रयोग अराजकता के बीच भरोसा जगाने के लिए किया और शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन या चुनाव करवाए। दूसरी तरफ मुनीर हैं, जो अपनी सत्ता को मजबूती देते चले जा रहे हैं।

गोवा अग्निकांड: असली दोषी कहां हैं

गोवा के रोमियो लेन नाइट क्लब में शनिवार रात लगी आग में 25 लोग अकाल मौत मारे गए। यह हादसा गोवा की बड़ी त्रासदियों में से एक माना जा रहा है। अक्टूबर से लेकर फरवरी–मार्च तक गोवा में पर्यटकों की भीड़ होती है। खासकर विदेशी पर्यटकों के लिए यह बड़ा आकर्षण का केंद्र रहा है। जम्मू–कश्मीर की तरह गोवा का मुख्य व्यवसाय भी पर्यटन ही है। लेकिन इस घटना ने गोवा में पर्यटकों की सुरक्षा पर बड़ा निशान खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि जिस वक्त क्लब में आग लगी, करीब डेढ़ सौ लोग वहां थे। हालांकि मरने वालों में 20 लोग क्लब के कर्मचारी थे और उनके साथ पांच पर्यटकों की मौत हुई। इनमें से चार तो दिल्ली के एक ही परिवार के सदस्य थे। शनिवार रात के हादसे के बाद रविवार सुबह ही मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने क्लब का दौरा करते हुए जांच के आदेश दिए थे। साथ ही चेतावनी थी कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अब सवाल ये है कि इस हादसे का दोषी किसे माना जाएगा। प्रत्यक्ष तौर पर तो क्लब के मालिकान सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा ही हादसे के दोषी हैं, और उनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई। लेकिन ये दोनों भाई तो रविवार सुबह साढ़े पांच बजे ही देश छोड़कर निकल चुके थे। मतलब मुख्यमंत्री जब दोषियों को पकड़ने के आदेश दे रहे थे, जिस वक्त पुलिस मौके पर सबूत जुटा रही थी और आग बुझाने की कोशिशें चल रही थीं, उस समय तक लूथरा बंधु देश से निकल चुके थे। ये भाजपा के सख्त प्रशासन की असलियत है। हैरानी की बात ये है कि सात दिसम्बर की सुबह लूथरा बंधु भाग चुके थे और शायद पुलिस इससे बेखबर थी, क्योंकि सात तारीख की शाम को गोवा पुलिस के अनुरोध पर दिल्ली पुलिस ने लूथरा बंधुओं के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया था। जबकि मुंबई में ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन ने जानकारी दी कि दोनों भाई सात दिसंबर की सुबह 5.30 बजे यानी घटना के फौरन बाद इंडिगो की सीधी फ्लाइट से थाइलैंड के फुकेत भाग चुके थे। अब गोवा पुलिस दोनों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए इंटरपोल से मदद ले रही है। लेकिन पिछले अनुभव बताते हैं कि भगोड़ों को वापस लाने में मोदी सरकार नाकाम ही रही है। विजय माल्या, नीरव मोदी, ललित मोदी, मेहुल चोकसी ये सब कहां हैं, क्या कर रहे हैं, इसकी जानकारी होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। इनमें से कुछ भगोड़े तो विदेश में आलीशान दावतें करते हैं और देश से कई नामी–गिरामी लोग उन दावतों में शामिल होते हैं, फिर भी इनका बाल भी बांका नहीं होता, क्योंकि धन और सत्ता का रक्षाकवच इनके पास है। अब देखना होगा कि लूथरा बंधुओं को यह कवच मिलता है या नहीं। वैसे थाइलैंड भागने की उनकी योजना बताती है कि वो कितने शातिर हैं। थाईलैंड में भारतीयों को प्रवेश करने पर वीजा मिल जाता है। ऐसे में उन्हें थाइलैंड जाने में कोई दिक्कत नहीं हुई। फुकेत एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र है और यहां हर दिन बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं। ऐसे में किसी भारतीय के लिए यहां भीड़ में घुलमिल जाना और अपनी पहचान छिपाना भी आसान है। वहीं लूथरा बंधुओं का होटल और क्लब बिजनेस भारत समेत और चार देशों में फैला हुआ है। हो सकता है कि थाईलैंड में उन्हें अपने व्यावसायिक रिश्तों से कुछ मदद मिल रही हो। बहरहाल, इन दोनों आरोपियों के फुकेत में होने की जानकारी होने के बावजूद क्या उन्हें वापस लाना संभव होगा, यह एक उलझा हुआ सवाल है। 2015 में थाईलैंड से भारत की प्रत्यर्पण संधि हुई थी, इसके बावजूद सरकार को ये साबित करना होगा कि दोनों के खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं और उनके भारत लौटने से जांच आगे बढ़ेगी। प्रत्यर्पण के मामलों में विदेशी अदालतें भी सबूत, मामले की गंभीरता और मानवाधिकारों का आकलन करती हैं, जिसके कारण प्रक्रिया लंबी और जटिल हो जाती है। इसलिए पहले तो लूथरा बंधुओं को ढूंढना होगा और अगर वे मिल गए तो उन्हें वापस लाने की लंबी प्रक्रिया पूरी करनी होगी, तब जाकर प्रमोद सावंत की दोषियों को सजा देने वाली बात सही होगी। वैसे लूथरा बंधुओं के देश में 22 शहरों में रेस्तरां, बार और क्लब चलते हैं। बताया जाता है कि दिल्ली के सिविल लाइन्स में भी एक रेस्तरां है, जिसमें तय क्षमता से अधिक ग्राहकों को बैठाने के लिए स्वच्छता को लेकर एमसीडी ने पिछले साल नोटिस जारी किया था। मगर रेस्तरां और बार दोनों चल रहा है। और एमसीडी ने क्या कार्रवाई की, कुछ पता नहीं। इसलिए प्रमोद सावंत जब दोषियों की बात करते हैं, तो यहां मालिकान के अलावा उन दोषियों की शिनाख्त भी करनी चाहिए जिनके कारण नियमों का उल्लंघन कर ऐसी इमारतें बनती हैं और व्यवसाय संचालित होते हैं। गोवा में जहां रोमियो लेन का क्लब था, वो तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) के अंतर्गत आने वाला एक पूर्व साल्टपैन है, जहां इंटरटाइडल पैच यानी उच्च ज्वार और निम्न ज्वार का क्षेत्र होने के कारण निर्माण की अनुमति नहीं है। फिर भी क्लब बना और चल भी रहा था। इसकी छत लकड़ी की थी और जब क्लब के भीतर इलेक्ट्रिक पटाखे चलाए गए, उसकी चिंगारियों से छत ने आग पकड़ी और फिर सारा क्लब जलकर राख हो गया। क्लब में आने–जाने का रास्ता एक ही था और अंदर फंसे लोग जान बचाने के लिए बेसमेंट की तरफ भागे। जहां दम घुटने से उनकी मौत हो गई। गोवा सरकार के अनुसार, क्लब में आग से बचने का कोई भी प्रबंधन नहीं किया गया था। यह क्लब खुद को श्आइलैंड क्लबच्च के नाम से प्रमोट करता था, जहां तक पहुंचने का रास्ता काफी संकरा था। ऐसे में आग लगने के बाद दमकल की गाड़ियां भी 400 मीटर से पहले रुक गईं और समय पर आग न बुझने के कारण कई लोगों की जान चली गई। क्लब के मरने वाले कर्मचारी असम, बंगाल, झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल से आए थे। रोजगार के लिए अपना गांव–शहर छोड़कर आने वाले इन लोगों को क्या मुआवजे से इंसाफ मिल पाएगा। फिलहाल पुलिस ने नाइट क्लब के चीफ जनरल मैनेजर, गेट मैनेजर, बार मैनेजर और जनरल मैनेजर को गिरफ्तार किया है। क्या इन का दोष मालिकों और अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले अधिकारियों से ज्यादा है। क्या 25 लोगों की अकाल मौत के बाद भी भाजपा अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ पाएगी, सोचना होगा।

निर्यात के बाजार में अब हमें नए सहयोगी तलाशने होंगे

–शशि थरूर

ट्रम्प के 50% टैरिफ हमारी निर्यात–अर्थव्यवस्था को बदल रहे हैं। भारत द्वारा अमेरिका को बेचा जाने वाला बहुत सारा सामान अब बेहद महंगा हो गया है। बीते दो दशकों को देखें तो 2005 में वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 1.2: थी, जो 2023 में 2.4: हो गई। इसके पीछे निर्यातकों, नीति–निर्माताओं, कामगारों की अथक मेहनत थी। उन्होंने समझा था कि ट्रेड ही विकास की सीढ़ी है। लेकिन अब ट्रम्प टैरिफ के चलते भारत के इस सीढ़ी पर कुछ पायदान नीचे गिरने का जोखिम है। गत सितम्बर में भारत का माल व्यापार घाटा 13 महीनों के उच्चतम स्तर (32.15 अरब डॉलर) तक पहुंच गया। जबकि अगस्त में यह 26.49 अरब डॉलर था। सितम्बर में अमेरिका को हुआ निर्यात 5.4 अरब डॉलर का रह गया, जो अगस्त में 6.9 अरब डॉलर था। अक्टूबर में और गिरावट हुई और अमेरिका को हमारा निर्यात पिछले साल इसी महीने की तुलना में 9: गिर गया। यह किसी अमूर्त मैक्रो–इकोनॉमिक मसले जैसा नहीं है। भारत में ट्रम्प टैरिफ की सबसे ज्यादा मार टेक्स्टाइल्स, चमड़ा, जेम्स एंड ज्वैलरी, जूते, हैंडीक्राफ्ट, सी–फूड जैसे श्रम–प्रधान उद्योगों पर पड़ी है। इन सेक्टरों में बड़ी संख्या में महिलाओं समेत लाखों श्रमिक कार्यरत हैं। अमेरिकी प्रशासन जहां अपनी भू–राजनीतिक जोर–आजमाइश में व्यस्त है, वहीं इन गरीब श्रमिकों के लिए रोजी–रोटी का सवाल आ खड़ा हुआ है। टेक्स्टाइल्स एंड अपैरल क्षेत्र को तो बड़ा झटका लगा है। 2024–25 में इस सेक्टर में भारत ने अकेले अमेरिका को 10.9 अरब डॉलर का निर्यात किया था, जो भारत के कुल परिधान निर्यात का 35: था। लेकिन इस उद्योग के लिए टैरिफ दरों के 13.9: से 63.9: होते ही भारतीय कपड़े अपने सबसे बड़े बाजार से बाहर हो गए। निर्माता अब महज टैरिफ कम होने के भरोसे नहीं रह सकते। बांग्लादेश और वियतनाम अमेरिकी ग्राहकों को कपड़े बेचने लगे हैं। पाकिस्तान डेनिम और ऊन बेच रहा है। कम्बोडिया फास्ट–फैशन निट्स का नया हब बन रहा है। अमेरिका के तटीय देश मैक्सिको और कापटा–डीआर ब्लॉक– जिसमें अमेरिका, डोमिनिकन गणराज्य के अलावा मध्य अमेरिका के पांच देश शामिल हैं– ने अमेरिकी रिटेलर्स को कम समय में और टैरिफ–फ्री सप्लाई की पेशकश की है। जब तक टैरिफ कम होंगे, पूरी सप्लाई चेन बदल चुकी होगी। हम बाजार में कड़ी मेहनत के दम पर बनाई हिस्सेदारी खो देंगे। भारतीय कार्पेट सेक्टर का भी 60: निर्यात अमेरिका को होता है। लेकिन इन उत्पादों पर टैरिफ 2.9: से सीधे 52.9: होने के कारण अमेरिकी ग्राहक तुर्किए, चीन और मिस्र में तुर्की–स्वामित्व वाली मिलों का रुख कर रहे हैं। चमड़े के मामले में भी अमेरिकी बाजार भारतीय उत्पादों के लिए बंद होते जा रहे हैं। जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर तो सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। सितम्बर में मुम्बई के सांताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन (एसईईपीजेड) से इन उत्पादों के निर्यात में बीते साल के सितम्बर की तुलना में 71 से 76: तक की गिरावट आई है। इससे क्षेत्र के हजारों कारीगरों, पॉलिश करने वालों और उद्यमियों के लिए आजीविका का संकट पैदा हो गया है।

हर व्यक्ति की गरिमा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता- न्यायमूर्ति डा. डी.के. अरोड़ा

अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर बड़ा संदेश, बोलने के अधिकार पर प्रतिबंध भी हैं

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के शुभ अवसर पर उत्तर प्रदेश मानव अधिकार आयोग, लखनऊ स्थित ऑडोटोरियम में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय न्यायमूर्ति डॉ. डी के अरोड़ा, विशिष्ट अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सुधीर सक्सेना, आयोग के वरिष्ठ सदस्य माननीय न्यायमूर्ति श्री राजीव लोचन मेहरोत्रा एवं माननीय सदस्य श्री बृज भूषण, आयोग के पुलिस महानिदेशक संदीप सालुन्के, सचिव महोदय संजय कुमार, विधि अधिकारी अल्पना शुक्ला, संयुक्त सचिव वेद प्रकाश द्विवेदी, वित्त एवं लेखाधिकारी अंकिता मिश्रा, अनु सचिव आलोक यादव एवं आयोग के समस्त कर्मचारीगण द्वारा इस पावन पर्व पर सहभाग किया गया। उपरोक्त समारोह अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस वर्ष 2025 का विषय ष्हमारी दैनिक आवश्यकताएं" रखा गया। इसके अतिरिक्त उ.प्र. मानव अधिकार आयोग में शीतकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम भी चल रहा है जिसमें आए प्रशिक्षु छात्र–छात्राएं भी कार्यालय का हिस्सा बनें। प्रशिक्षु आयुष पाठक, श्रुति मेहता, अन्तरा शुक्ला एवं दिव्यांशी द्वारा अंतराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस की थीम "हमारी दैनिक आवश्यकताएं" अपने विचार साझा किये गये। अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के विषय ष्हमारी दैनिक आवश्यकताएं" पर अपने विचार पर चर्चा करते हुए आयोग के सचिव महोदय संजय कुमार द्वारा मानव अधिकर दिवस के सम्बन्ध में चर्चा करते हुए समारोह मे आये मुख्य अतिथि व माननीय विशिष्ट अतिथि महोदय सदस्यगण, अधिकारीगण, स्टाफ अवध बार एसोशिसन से पधारे अधिवक्तागण, मीडिया व प्रशिक्षु छात्र–छात्राओं के लिये स्वागत भाषण पढ़ा गया। मुख्य अतिथि महोदय द्वारा कहा गया कि बोलने का अधिकार या कोई भी मौलिक अधिकार अपने आप में निरपेक्ष नही हैं इन पर कुछ युक्ति–युक्त प्रतिबन्ध लगाये गयें हैं। कानून की दृष्टि में प्रत्येक व्यक्ति समान है। इसके अतिरिक्त उनके द्वारा किन प्रस्थितियों में मानवाधिकार की सार्वजनिक घोषणा की गयी है, पर बल दिया गया हैं समारोह में पधारे विशिष्ट अतिथि सुधीर कुमार सक्सेना द्वारा मानवाधिकार दिवस पर अभिव्यक्ति देते हुए कहा गया कि गरिमा की शुरूवात अपने घर से होनी चाहिए, समाज मे महिलाओं व बच्चियों की गरिमा को बनाये रखने पर विशेष बल दिया गया। आयोग के वरिष्ठ सदस्य न्यायमूर्ति राजीव लोचन मेहरोत्रा जी द्वारा इस शुभ अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा गया कि मानवाधिकार चाहे मौलिक हो या विधिक हो हमें सुनिश्चत करना होगा, स्वच्छ हवा में सांस लेने का अधिकार भी मानवाधिकार है, इसे परिभाषित करते हुए बल दिया गया। मानव अधिकार पथ पर बल देते हुए उनके द्वारा कहा गया कि यदि हम इस शपथ को हम आत्मार्पित कर लें तो हमें किसी अन्य कानून की आवश्यकता ही नहीं पड़गी। मानवाधिकार की शपथ अपने आप में सम्पूर्ण है। मानवाधिकार आयोग के सदस्य बृज भूषण द्वारा अपने बहुमूल्य विचारों को व्यक्त करते हुए कहा गया कि किसी भी प्रकार के अधिकार जो हमें उपलब्ध हैं वो मानवाधिकारों की श्रेणी के अन्तर्गत आते हैं प्रत्येक मनुष्य के मूलभूत अधिकार सुरक्षित होने चाहिए, महोदय द्वारा यह भी साझा किया गया कि कुछ दिव्यांग व निर्धन व्यक्ति जो धनाभाव के कारण न्याय से वंचित थे उनकी आयोग द्वारा मदद की गयी। आयोग के पुलिस महानिदेशक संदीप साळुंके द्वारा समारोह में पधारे माननीय मुख्य अतिथि महोदय, माननीय विशिष्ट अतिथि महोदय, माननीय सदस्यगण महोदय एवं आयोग के अधिकारीगण व समारोह में उपस्थित अवध–बार एसोसिएशन के अधिवक्तागण प्रशिक्षु छात्र–छात्राओं को मानवाधिकार दिवस पर समारोह में शिरकत करने तथा विचार साझा करने हेतु तथा आयोग स्टाफ को इस कार्यक्रम को मार्गदर्शन के अनुरूप सफल बनाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन आयोग मे कार्यरत विधि अधिकारी महोदया (उच्चतर न्यायिक सेवा उत्तर प्रदेश) अल्पना शुक्ला द्वारा किया गया। विधि अधिकारी महोदया के मार्गदर्शन व कुशल नेतृत्व में आयोग के गठन, कार्य, शक्ति व शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को ब्रोशर में समेटते हुए इसके माध्यम से समस्त जानकारी दिये जाने का प्रयास किया गया कि जन मानस में एक दृष्टि में उत्तर प्रदेश मानव अधिकार आयोग की जानकारी प्राप्त की जा सके। आम जन मानस में जागरूकता फैलाने हेतु विधि अधिकारी महोदया द्वारा इस ब्रोशर में यह भी संकलित किया गया कि मानवाधिकार उल्लघंन होने की दशा मे किस प्रकार मानवाधिकर आयोग से अनुतोष प्राप्त कर सकते हैं, इस ब्रोशर में यह भी संकलित किया गया और आयोग द्वारा ब्रोशर का वितरण भी किया गया ।

संक्षिप्त

लखनऊ एयरपोर्ट पर इंडिगो की सभी उड़ानें राइट टाइम, 5 दिन बाद स्थिति सामान्य हुई

संवाददाता

लखनऊ। लगातार 5 दिन तक इंडिगो की फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी से जूझ रहे लखनऊ के यात्रियों ने बुधवार को राहत की सांस ली। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से इंडिगो की सभी उड़ानें तय समय पर रवाना हुईं। कई दिनों की गड़बड़ी के बाद ऑपरेशन पूरी तरह सामान्य रहा। बीते दिनों तकनीकी समस्या, क्रू की उपलब्धता और ऑपरेशनल दिक्कतों के चलते इंडिगो को कई उड़ानें कैंसिल करनी पड़ी थीं। सोमवार और मंगलवार तक स्थिति ऐसी थी कि एक दिन में 10 से 15 फ्लाइटें या तो कैंसिल हो रही थीं या घंटों तक देरी से उड़ रही थीं। इसका सीधा असर यात्रियों के शेड्यूल पर पड़ा। कई यात्रियों की कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई, कुछ लोगों को टिकट री–शेड्यूल कराना पड़ा और कई को रिफंड लेना पड़ा। एयरपोर्ट प्रशासन ने बुधवार को दावा किया कि सभी सिस्टम अब फिर से व्यवस्थित हो गया है। अब पहले जैसे हालात नहीं हैं। ऑपरेशन पूरी तरह सामान्य है। री–शेड्यूल की गई ज्यादातर फ्लाइटें भी अब समय पर उड़ रही हैं। यात्रियों की भीड़ सामान्य हो गई है। एयरपोर्ट प्रबंधन के मुताबिक, बुधवार को इंडिगो की किसी भी उड़ान में न तो देरी हुई और न ही कोई फ्लाइट रद्द हुई। बीते 5 दिनों में जिन यात्रियों की फ्लाइटें आगे बढ़ा दी गई थीं या दिन बदलकर दी जा रही थीं, उनकी री–शेड्यूलिंग अब लगभग पूरी कर दी गई है। एयरलाइन की कोशिश है कि पिछली गड़बड़ियों के कारण फंसे यात्रियों को पहले प्राथमिकता दी जाए, ताकि उनका सफर जल्द से जल्द पूरा हो सके।

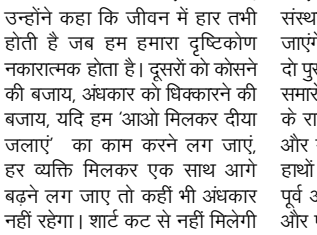

पूर्व आईजी को धकेलते हुए कोर्ट ले गई पुलिस

पत्नी बोली, दिल्ली जाते वक्त आधी रात ट्रेन से उठाया

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के पूर्व आईजी अमिताभ ठाकुर को ट्रेन से उठा लिया गया। वह दिल्ली जा रहे थे। शाहजहांपुर में सादे कपड़ों में आधी रात कुछ लोग ट्रेन में घुसे और उन्हें अपने साथ ले गए। पहले खबर आई कि अमिताभ ठाकुर को किडनैप किया गया है। हालांकि, बाद में पत्नी नूतन ठाकुर को लखनऊ पुलिस ने कॉल किया। कहा हमने उन्हें गिरफ्तार किया है। अमिताभ ठाकुर और उनकी पत्नी का एक्स अकाउंट भी सस्पेंड है। दावा किया जा रहा है कि पुलिस ने दोनों का अकाउंट सस्पेंड करवाया है। पुलिस ने अमिताभ ठाकुर से 2 घंटे तक एक गुप्त जगह पर पूछताछ की। फिर उन्हें मेडिकल कराने ले जाया गया। यहां पत्रकारों से अमिताभ ठाकुर ने कहा मेरे खिलाफ अन्याय हो रहा है। मेडिकल के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया।गाड़ी से उतरते वक्त पूर्व आईजी ने मीडिया कर्मियों से कहा सरकार के इशारे पर सब हो रहा है। इसके बाद पुलिस ने उन्हें बात नहीं करने दी और उन्हें धकेलते हुए कोर्ट में ले गई। जिस मामले में पुलिस ने अमिताभ ठाकुर को गिरफ्तार किया। वह मामला 26 साल पुराना है। उस समय अमिताभ देवरिया एसपी थे। आरोप है कि फर्जी डॉक्यूमेंट्स से उनकी पत्नी ने देवरिया के औद्योगिक क्षेत्र में प्लॉट लिया। बाद में उसे बेचकर फायदा कमाया। इस मामले में 3 महीने पहले लखनऊ में अमिताभ के खिलाफ केस दर्ज हुआ। लखनऊ पुलिस ने एसआईटी का गठन किया। पुलिस के मुताबिक, एसआईटी ने देवरिया और बिहार में रिकॉर्ड की जांच की। गवाहों से पूछताछ और दस्तावेजों की पुष्टि की। पर्याप्त सबूत मिलने के बाद अमिताभ ठाकुर को गिरफ्तार किया। पत्नी नूतन ठाकुर ने बताया, अमिताभ दिल्ली जा रहे थे। ट्रेन शाहजहांपुर पहुंची थी। तभी कुछ लोग ट्रेन में आए और उन्हें उठा ले गए। मैंने कॉल करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं हो पाई। उनका मोबाइल ऑन था। रात 1.50 बजे की घटना थी। फोन पर बातचीत नहीं हो पाई। ऐसा लग रहा था कि जैसे उनको कोई खींच रहा हो। फिर गाड़ी की आवाज आई। इसके बाद फोन बंद हो गया। मैंने रेलवे और जीआरपी में शिकायत की। शाहजहांपुर एसपी को कॉल किया, लेकिन फोन नहीं उठा। बाद में पीआरओ ने कहा मैं पता करके बताता हूं। बुधवार सुबह 9.40 बजे लखनऊ तालकटोरा थाने से एसएचओ ने कॉल की। उन्होंने बताया कि उनके पति को देवरिया ले जाया जा रहा है।

सीएम योगी की सीख- नशे से बचकर ही खुद और देश के भविष्य को बचा पाएंगे युवा, सफलता का कोई शार्ट कट नहीं

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां सामने हैं। एक ड्रग्स का नशा और दूसरा मोबाइल या स्मार्टफोन का नशा। इन दोनों नशों से बचना होगा। इनसे युवा जितना बच पाएंगे, उतना ही खुद को और देश के भविष्य को भी बचा पाएंगे। नशे से बचकर ही युवा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे। सीएम योगी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित मुख्य महोत्सव की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं को मोबाइल फोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी। एक शिक्षक और अभिभावक के रूप में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि आपको सतर्क रहना होगा क्योंकि नशा माफिया तेजी के साथ युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का कुत्सित प्रयास करता है। अकादमिक संस्थाओं को भी इसके प्रति उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि युवाओं को इसके खिलाफ एक नई लड़ाई लड़ने के लिए अपने आप को तैयार करना पड़ेगा क्योंकि देश का दुश्मन किसी न किसी रूप में आपके बीच में घुसना चाहता है। उसको हम अवसर न दें। मस्तिष्क को कुंद कर देगा स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्टफोन पर युवाओं का अत्यधिक समय खर्च हो रहा है, इसको कम करना होगा। उन्होंने युवाओं को समझाया, हालांकि एकाएक यह कर पाना कठिन होगा, इसलिए धीरे–धीरे कम करिए। आवश्यक हो तभी आधा या एक घंटा, तक ही आप मोबाइल फोन का इस्तेमाल करिए। समय तय करिए कि मुझे जब आवश्यक बात करनी है तभी बात करूंगा, अनावश्यक नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग आपकी आंख की साइट को प्रभावित करेगा। मस्तिष्क को कुंद कर देगा, बुद्धि, विवेक और शारीरिक क्षमता को भी यह पूरी तरह कमजोर कर देगा। इसलिए स्मार्टफोन से जितना बच सकते हैं, बचने का प्रयास करना चाहिए। तकनीक से अपने आप ही जुड़ जाएंगे रोजगार के नए अवसर समय और तकनीक के साथ चलते हुए भविष्य की चुनैतियों के लिए खुद को तैयार करने की सीख देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ड्रोन और रोबोटिक्स के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। हममें से कोई व्यक्ति उससे अपने आप को अलग नहीं कर सकता। हमें करना भी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें उस मानसिकता से भी उबरना पड़ेगा कि तकनीक आएगी तो रोजगार के अवसर कम करेगी। यह तथ्य सही नहीं है बल्कि तकनीक आएगी रोजगार के नए अवसर अपने आप ही जुड़ जाएंगे। हमें अपने आप को उसके अनुरूप शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करना होगा। हिम्मत न हारने वाला ही जीतता है समारोह में मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में जीतता वही है जो हिम्मत नहीं हारता है और धैर्य बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि जीवन में हार तभी होती है जब हम हमारा दृष्टिकोण नकारात्मक होता है। दूसरों को कोसने की बजाय, अंधकार को धिक्कारने की बजाय, यदि हम 'आओ मिलकर दीया जलाएं' का काम करने लग जाएं, हर व्यक्ति मिलकर एक साथ आगे बढ़ने लग जाए तो कहीं भी अंधकार नहीं रहेगा। शार्ट कट से नहीं मिलेगी सफलता सीएम योगी ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम वर्क का महत्व समझाते हुए कहा कि यह केवल एक गेम में नहीं बल्कि पूरी जनरेशन में उपयोगी होता है। हमें अपने आप को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से, टीम वर्क से जोड़ना पड़ेगा। कहा कि यह भी याद रखना होगा, शॉर्ट कट का रास्ता कभी जीवन में सफलता नहीं प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति और संस्था को हमेशा इस बात के लिए तैयार होना होगा कि तकनीक जितना आसान जीवन को कर रही है, उतनी ही चुनौतियां और कठिनाई भी हमारे सामने प्रस्तुत कर रही है। युवाओं और अकादमिक संस्थाओं को उसके प्रति अपने आप को तैयार करना होगा। संस्थाओं और मेधावियों को किया गया पुरस्कृत संस्थापक सप्ताह के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं में से उत्कृष्ट संस्था, उत्कृष्ट शिक्षक, उत्कृष्ट कर्मचारी, उत्कृष्ट परिचारक और स्नातकोत्तर, स्नातक एवं हाईस्कूल–इंटर के उत्कृष्ट विद्यार्थियों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। मंच से करीब डेढ़ सौ पुरस्कार वितरित किए गए। करीब सात सौ पुरस्कार, संस्थाओं के माध्यम से वितरित किए जाएंगे। प्रो यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ सहित दो पुस्तकों का हुआ विमोचन संस्थापक समारोह के मुख्य महोत्सव में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ और एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ की पुस्तक 'जीवन मूल्य प्रमाण पत्र संग्रह पाठ्यक्रम' का विमोचन हुआ। इस दौरान सीएम योगी ने प्रो. यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ की प्रकाशन संस्था प्लाक्षा के प्रबंध निदेशक सौरभ सिंह को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। संस्थापक सप्ताह के मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में स्वागत संबोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, आभार ज्ञापन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष राजेश मोहन सरकार और संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने किया।

टेढ़ी पुलिया में सड़क धंसाव की मरम्मत शुरू, सुएज ने संभाला जिम्मा

संवाददाता

लखनऊ। टेढ़ी पुलिया क्षेत्र में हुए सड़क धंसाव की मरम्मत का कार्य अंततः सुएज की टीम द्वारा शुरू कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि यह सड़क धंसाव 27 सितंबर 2025 को हुआ था, जिसकी मुख्य वजह सीवर पाइपलाइन की स्ट्रेंथ बढ़ाने का कार्य बताया गया। इस कार्य के लिए जल निगम ने एक कार्यदायी संस्था को अनुबंधित किया था, जिसने सीवर लाइन पर चार महीने तक 'रोका' लगाया, अर्थात पानी के प्रवाह को अस्थायी रूप से रोका गया। इसी दौरान टेढ़ी पुलिया के पास सीवर लाइन में लीकेज हुई, जिसके परिणामस्वरूप सड़क धंस गई और स्थानीय यातायात बाधित हो गया। मरम्मत कार्य शुरू करने से पहले जलकल विभाग को ट्रैफिक विभाग और पीडब्ल्यूडी से रोड कटिंग व डायवर्जन संबंधी स्वीकृतियाँ लेनी पड़ीं। चूँकि अलग–अलग विभागों से अनुमोदन प्राप्त करने में समय लगता है, इसलिए कार्य प्रारंभ होने में विलंब होना स्वाभाविक था। सुएज के परियोजना निदेशक राजेश मठपाल ने बताया कि सड़क धंसाव की मरम्मत का कार्य पूरी सुरक्षा मानकों के साथ शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा, "गड्ढा काफी गहरा है, इसलिए हमारी टीम सुरक्षा उपकरणों के साथ कार्य कर रही है। उम्मीद है कि मरम्मत कार्य जल्द ही संपादित कर लिया जाएगा और यातायात सामान्य स्थिति में लौट आएगा।"

लेनोवो ने लखनऊ में अपना नया एआई- आधारित कंज्यूमर पोर्टफोलियो पेश किया

संवाददाता

लखनऊ। ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर लेनोवो ने लखनऊ में अपने नए एआई–संचालित कंज्यूमर डिवाइस पोर्टफोलियो का प्रदर्शन किया। इस शोकेस में प्रीमियम एआई पीसी, इमर्सिव टैबलेट्स और अगली पीढ़ी के गेमिंग सिस्टम प्रदर्शित किए गए। इस पहल के माध्यम से कंपनी ने उत्तर प्रदेश के उपभोक्ताओं के लिए उन्नत और एआई तकनीक को अधिक सुलभ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया। इस इवेंट का मुख्य आकर्षण था योगा स्लिम 7प ऑरा एडिशन कृ एक एआई पीसी जिसे लेनोवो ने इंटेल के साथ मिलकर तैयार किया है। यह डिवाइस प्रीमियम डिजाइन को ऑन–डिवाइस एआई तकनीक के साथ जोड़ता है, जो उपयोगकर्ता की जरूरतों के अनुसार अपने–आप प्रदर्शन को समायोजित करता है। यह प्रोफेशनल्स, क्रिएटर्स, विद्यार्थियों और मल्टीटास्कर्स के लिए सहज और स्मार्ट अनुभव प्रदान करता है और बदलती डिजिटल जरूरतों के अनुरूप है। नए लेगियॉन जेन 10 लाइनअप कृ जिसमें लेगियॉन प्रो 7आई, प्रो 5आई 7आई और 5 आई शामिल हैं कृ को गेमर्स और क्रिएटर्स दोनों के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें इंटेल कोर अल्ट्रा 9 275 एच एक्स प्रोसेसर और एनविडिया जीफोर्स आरटीएक्स 5090 24 जीबी ग्राफिक्स तक का विकल्प उपलब्ध है। लेनोवो के एल ए3. एवं ए1 एआई चिप्स

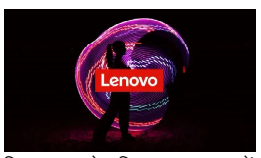

सिस्टम को रियल–टाइम में ऑप्टिमाइज करते हैं, जिससे उच्च फ्रेम रेट, कम लेटेंसी और स्मूद गेमिंग अनुभव सुनिश्चित करता है। अपने गेमिंग इकोसिस्टम का विस्तार करते हुए लेनोवो ने एवं ओ क्यू जेन 10 सीरीज भी प्रदर्शित की, जिसे विशेष रूप से नए और उभरते गेमर्स को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इंटेल और एएमडी के नवीनतम प्रोसेसर, एनविडिया आरटीएक्स ग्राफिक्स, एआई–सक्षम गेमिंग फीचर्स और मजबूत थर्मल डिजाइन इसे गेमिंग की दुनिया में कदम रखने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए एक भरोसेमंद विकल्प बनाते हैं। लेनोवो ने आइडिया टैब प्रो और योगा टैब प्प्लस के साथ अपने टैबलेट पोर्टफोलियो को और मजबूत किया है। यह श्रृंखला उन उपयोगकर्ताओं के लिए डिजाइन की गई है जिन्हें शक्तिशाली, लेकिन हल्के और पोर्टेबल डिवाइसों की आवश्यकता होती है। आइडिया टैब प्रो, मीडिया टेक डायमेंसिटी 8300 प्रोसेसर से सुसज्जित है, जो तेज मल्टीटास्किंग, एआई–सक्षम उत्पादकता और विभिन्न डिवाइसों के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

वहीं योगा टैब प्प्लस कृलेनोवो का सबसे उन्नत एंड्रॉयड टैबलेटकृ लेनोवो एआई नॉउ तकनीक, दमदार ऑडियो–वीडियो अनुभव और इसके सिग्नेचर किक–स्टैंड डिजाइन के साथ आता है, जिससे यह सीखने, काम और मनोरंजन के लिए एक बहुउद्देश्यीय विकल्प बन जाता है। लेनोवो इंडिया के नॉर्थ और ईस्ट दृ कंज्यूमर बिजनेस के सेल्स हेड, राघवेन्द्र अरावीती ने कहा, "हमारा नया एआई–संचालित पोर्टफोलियो उपयोगकर्ताओं के डिवाइस अनुभव को नए स्तर तक ले जाने के उद्देश्य से विकसित किया गया हैकृचाहे वे क्रिएटर्स हों, छात्र हों या गेमर्स। लखनऊ में इन नवाचारों का प्रदर्शन हमारे क्षेत्रीय विस्तार और उत्तर प्रदेश में अधिक उपभोक्ताओं तक स्मार्ट तकनीक उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।" उत्तर प्रदेश में मजबूत रिटेल उपस्थिति के साथ लेनोवो ने पूरे क्षेत्र में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए 50 स्टोर्स तक पहुंच बनाई हैकृजो क्षेत्रीय वृद्धि और पहुंच बढ़ाने की दिशा में उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। चुनिंदा शहरों में ग्राहक एक्सप्रेस डिलीवरी (सिर्फ चार घंटे में) का लाभ उठा सकते हैं।

घरेलू कामगार महिलाओं के समर्थन में उतरा

कामगार महिलाओं को 75 प्रति घण्टा के हिसाब से वेतन देने की मांग

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बुधवार को अखिल भारतीय लोकतांत्रिक महिला संगठन (एडवा) के मुख्यालय पर घरेलू कामगार महिला संगठन की संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से आई घरेलू कामगार महिलाओं की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल एडवा की मधु गर्ग ने घरेलू कामगार महिलाओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। मधु गर्ग ने कहा कि देश में बढ़ते आर्थिक संकट और महंगाई के दबाव ने गरीब महिलाओं को परिवार चलाने के लिए दूसरों के घरों में काम करने के लिए मजबूर कर दिया है। कृषि क्षेत्र में लगातार बढ़ते संकट और बेरोजगारी के कारण ग्रामीण इलाकों से शहरों की ओर पलायन तेजी से बढ़ा है,जिससे शहरी क्षेत्रों में घरेलू कामगार महिलाओं की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। मधु गर्ग ने कहा कि अधिकांश महिलाएं अशिक्षित होने के साथ–साथ किसी विशेष कौशल में प्रशिक्षित नहीं हैं। ऐसे में घरेलू काम ही उनके लिए रोजगार का प्रमुख विकल्प बन जाता है।

पारंपरिक रूप से घर–गृहस्थी का काम जानने के कारण वे यह कार्य आसानी से कर तो लेती हैं, लेकिन उनके श्रम का उचित मूल्य अभी तक निर्धारित नहीं हो पाया है। महिलाओं को उनका सही मेहनताना न मिलाना अफसोस नाक है। घरेलू कामगार महिला संगठन ने सरकार से कई मांग किया। संगठन ने श्रम मंत्रालय से घरेलू कामगारों का सर्वे कराकर उन्हें पहचान पत्र जारी करने की मांग। इसके साथ ही 75 प्रति घंटे की दर से न्यूनतम वेतन तय करने की मांग। सप्ताह में एक दिन अनिवार्य अवकाश देने और महंगाई के अनुपात में वेतन वृद्धि सुनिश्चित करने की बात रखी गई। महिलाओं ने साल में 30 दिन की वार्षिक छुट्टी, 10 दिन की बीमारी की छुट्टी और एक महीने के वेतन के बराबर वार्षिक बोनस देने की भी मांग की।

हर जरूरतमंद को शीतलहर से बचाने को सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ने किया महानगर में दो रैन बसेरों का निरीक्षण, ठहरे जरूरतमंदों में वितरित किया कंबल और भोजन

पूरी क्षमता से संचालित होंगे रैन बसेरे, तहसीलों व निकायों ऊनी वस्त्र–कंबल वितरण के लिए पर्याप्त धन जारी : मुख्यमंत्री

बीएनई

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हर जरूरतमंद को शीतलहर से बचाने और सम्मानजनक आश्रय देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए जहां रैन बसेरों को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जा रहा है, वहीं तहसीलों और नगर निकायों को जरूरतमंदों में ऊनी वस्त्र एवं कंबल वितरण और अलाव की व्यवस्था के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार देर शाम/रात गोरखपुर महानगर में दो रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद को रैन बसेरों में अच्छी सुविधा दी जाए। प्रशासन को इसे प्राथमिकता पर लेते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर व कंबल का इंतजाम हो। साफ–सफाई का भी पूरा ध्यान रखा जाए। साथ ही यदि किसी के पास भोजन की व्यवस्था नहीं है तो उसे भोजन भी उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रेलवे स्टेशन के पास, तथा झूलेलाल मंदिर के पास बने रैन बसेरों का निरीक्षण कर तथा वहां ठहरे लोगों से बातचीत कर उपलब्ध सुविधाओं की पड़ताल की। रैन बसेरों में मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से जरूरतमंदों में कंबल व भोजन का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने रेलवे स्टेशन के पास रैन बसेरे के बाहर भी सैकड़ो जरूरतमंद लोगों में कंबल व भोजन का वितरण कर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनकी सेवा को प्रतिबद्ध है।

रैन बसेरों में ठहरे लोगों से मुख्यमंत्री ने किया आत्मीय संवाद

सीएम योगी ने रैन बसेरों में ठहरे सभी लोगों से कुशलक्षेम जानने के साथ उनसे आत्मीय संवाद भी किया। रैन बसेरों में देवरिया, कुशीनगर, बलिया, गगहा, चौरीचौरा समेत पूर्वांचल के अलग अलग क्षेत्रों के नागरिकों के अलावा बिहार से आए लोग भी ठहरे थे। कोई परीक्षा के सिलसिले में आया था, कोई डॉक्टर को दिखाने के लिए तो कोई काम की तलाश या फिर किसी अन्य कार्य से गोरखपुर आया था। मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि यहां रैन बसेरों में कोई परेशानी तो नहीं। सबने व्यवस्था को लेकर संतोषजनक जवाब दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कुशलक्षेम और जरूरतों के बारे में पूछे जाने पर रैन बसेरों में ठहरे लोग भाव विह्वल हो गए। उन्हें सहसा यकीन नहीं हो रहा था कि उनके ठहरने और भोजन की जानकारी लेने खुद मुख्यमंत्री उनके पास आए हैं।

हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य, कोई भी खुले में न लेटे : मुख्यमंत्री

रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीषण शीतलहर से आमजनमानस के बचाव के लिए शासन और प्रशासन संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य है। सरकार की तरफ से अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी व्यक्ति फुटपाथ, प्लेटफार्म या सड़क पर खुले में न लेटे। यदि कोई ऐसा पाया जाता है उसे रैन बसेरों में पहुंचाया जाए और इसकी निरंतर निगरानी भी की जाए। सभी रैन बसेरों को पूरी क्षमता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा तहसीलों और निकायों को अपने–अपने क्षेत्र में जरूरतमंदों को शीतलहर से बचाने के लिए ऊनी वस्त्र और कंबल वितरण के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई है। निकायों और पंचायत को यह निर्देश भी दिए गए हैं कि वे भीषण शीतलहर में जहां भी आवश्यकता हो, पर्याप्त अलाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। यह सभी व्यवस्था प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महानगर गोरखपुर में नगर निगम द्वारा 14 रैन बसेरों का संचालन किया जा रहा है, जहां 700 से 1000 तक जरूरतमंद आश्रय ले सकते हैं। रैन बसेरों के निरीक्षण के दौरान महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, कालीबाड़ी के महंत रवींद्रदास, नगर निगम बोर्ड के उपसभापति पवन त्रिपाठी, पार्षद ऋषिमोहन वर्मा, धर्मदेव चौहान समेत प्रशासन, पुलिस व नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

पीवी सिंधु ने 'नारी शक्ति' का शुभारंभ किया – ईबीजी ग्रुप की ओर से महिलाओं के सशक्तिकरण की बड़ी पहल

बीएनई

देहरादून। तेजी से बढ़ते भारतीय समूह ईबीजी ग्रुप, जिसके हित मोबिलिटी, हेल्थ, रियल्टी, लाइफस्टाइल, फूड, सर्विसेज, टेक्नॉलॉजी और एजुकेशन जैसे विविध क्षेत्रों में हैं, ने आज ईबीजी फाउंडेशन के नेतृत्व में राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन 'नारी शक्ति' की घोषणा की। वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए ग्रुप ने इस कार्यक्रम हेतु 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 8.5 करोड़) की प्रतिबद्धता जताई है। पहले चरण में पूरे भारत में 1,00,000 महिलाओं को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस पहल के तहत 24×7 राष्ट्रीय एसओएस हेल्पलाइन 'सुरक्षा लाइन' (7777777963) भी लॉन्च की गई है, जो महिलाओं को तत्काल सहायता, मार्गदर्शन और सुरक्षा प्रदान करेगी। हैदराबाद में आयोजित समारोह में पद्म श्री से सम्मानित एवं प्रोफेशनल बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने इस मिशन और राष्ट्रीय हेल्पलाइन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ईबीजी ग्रुप के चेयरमैन एवं संस्थापक डॉ. इरफान खान ने कहा: "आजादी के 75 साल बाद भी लाखों महिलाएं सुरक्षा, आवाज, आर्थिक स्वतंत्रता, स्वास्थ्य सुविधा, कानूनी सुरक्षा और सम्मान से वंचित हैं। नारी शक्ति इन्हीं वास्तविकताओं को बदलने के लिए बनाई गई है दृ यह दान नहीं, एक्शन है। यह कार्यक्रम जनता से फंड नहीं जुटाता; हम अपने व्यवसायों से कमाई से ईबीजी फाउंडेशन पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ संसाधन लगाती है। हमारे ईबीजी में ही 60% से अधिक कर्मचारी महिलाएं हैं। इसी अनुभव को देशव्यापी बनाकर हम आर्थिक स्वतंत्रता, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, कानूनी अधिकार और सम्मान – सब कुछ एक ही मंच पर देने वाली राष्ट्रीय व्यवस्था बना रहे हैं।"

पीवी सिंधु ने कहा: "नारी शक्ति यानी सम्मान को एक्शन में बदलना जब कोई महिला घर बैठे कमाई कर सके, अपना स्वास्थ्य संभाल सके, फिर से पढ़ सके, बिना डर के मदद मांग सके, अपने हक के लिए लड़ सके और सम्मान के साथ बुढ़ापा जिए – तभी समाज आगे बढ़ता है। मैं गर्व महसूस कर रही हूं कि मैं वह पहल लॉन्च कर रही हूं जो वादे नहीं, असली ताकत देती है।"

नारी शक्ति : महिलाओं की प्रगति के छह स्तंभ

1. काम एंड कमाई – घर से काम करके कमाने के अवसर
2. सेहत एंड स्वच्छता – बेसिक हेल्थ चेकअप और डिग्निटी किट
3. पढ़ना एंड बदलना – दूसरा मौका शिक्षा और डिजिटल स्किल्स
4. सुरक्षा लाइन – 24×7 राष्ट्रीय एसओएस हेल्पलाइन – 7777777963
5. कानून एंड हक – सुरक्षा व अधिकारों के लिए कानूनी सहायता
6. साथ एंड सहारा – त्यागी गई या वृद्ध महिलाओं के लिए 'नारी शक्ति होम्स'

नारी शक्ति हर उम्र, पृष्ठभूमि और समुदाय की महिलाओं के लिए खुली है। घरेलू हिंसा पीड़ितााओं, विधवाओं, सिंगल मदर्स, त्यागी गई बुजुर्ग महिलाओं, बिना आय वाली महिलाओं और जिनकी पढ़ाई जल्दी शादी या आर्थिक तंगी के कारण रुक गई, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। इन छह स्तंभों और 1 मिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता के साथ ईबीजी फाउंडेशन एक मापनीय, मापन योग्य और स्वावलंबी सशक्तिकरण ढांचा तैयार कर रही है, जिसे पूरे भारत में दोहराया जा सके।

किआ ने भारत से वैश्विक प्रीमियर में पेश की ऑल-न्यू सेल्टोस - बड़ी, दमदार, प्रोग्रेसिव और सेगमेंट को पुनर्परिभाषित करने के लिए तैयार

बीएनई

नई दिल्ली। किआ इंडिया ने आज ऑल–न्यू किआ सेल्टोस का भारत से वैश्विक प्रीमियर किया, जो बड़े आकार, उन्नत सेफ्टी और अत्याधुनिक नवाचारों के साथ मिडसाइज़ एसयूवी सेगमेंट में एक बार फिर से मानक स्थापित करने को तैयार है। भारत की सबसे पसंदीदा एसयूवी में से एक, नई सेल्टोस अब और भी बोल्ड डिज़ाइन, प्रीमियम इंटीरियर्स और विविध पावरट्रेन विकल्पों के साथ उपलब्ध होगी। ग्राहक 11 दिसंबर की आधी रात से 25,000 की शुरुआती रकम के साथ बुकिंग करा सकेंगे।

किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, ग्वांगगू ली ने कहा: "ऑल–न्यू किआ सेल्टोस सिर्फ नेक्स्ट–जनरेशन नहीं, बल्कि हमारे सेगमेंट को पुनर्परिभाषित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। अपनी शुरुआत से ही यह एक कैटेगरी–डिफाइनिंग एसयूवी रही है, और नई सेल्टोस अपने बोल्ड डिज़ाइन, एडवांस्ड सेफ्टी और अत्याधुनिक तकनीक के साथ नए मानक स्थापित करती है। भारतीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई यह एसयूवी वैश्विक मानकों से समझौता किए बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रदान करती है।" शानदार और दमदार उपस्थिति नई किआ सेल्टोस अपने सेगमेंट में सबसे लंबे 4,460 मिमी और 1,830 मिमी चौड़े आयामों के साथ मजबूत और प्रभावशाली प्रेज़ेंस प्रदान करती है। 2,690 मिमी का व्हीलबेस केबिन स्पेस और ड्राइविंग स्थिरता को और बेहतरीन बनाता है।

संक्षिप्त

भारत पर अमेरिकी टैरिफ को लेकर रघुराम राजन का बड़ा बयान, बोले- पाकिस्तान ने अच्छा खेला...

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की ओर से भारतीय सामान पर लगाए गए भारी टैरिफ को लेकर पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन के बयान ने नई बहस खड़ी कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में राजन कहते हुए नजर आए हैं कि ट्रंप प्रशासन ने 50% टैरिफ रूस से तेल खरीद को लेकर नहीं, बल्कि भारत द्वारा ट्रंप की पाकिस्तान को लेकर की गई टिप्पणी का समर्थन न करने की वजह से लगाया। पाकिस्तान ने ट्रंप के हर दावे का किया समर्थन राजन ने स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुए संघर्ष विराम पर ट्रंप ने जिस तरह दावा किया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को बातचीत के लिए मनाया, भारत ने उस दावे का समर्थन नहीं किया। इसके उलट पाकिस्तान ने इस दावे पर कोई आपत्ति नहीं जताई। राजन के मुताबिक भारत ने ट्रंप के बयान पर सहमति नहीं जताई, इसलिए भारत पर 50% टैरिफ लगाया गया, जबकि पाकिस्तान 'साथ खेला' और उसे केवल 19% शुल्क झेलना पड़ा। यह वीडियो 4 दिसंबर का बताया जा रहा है, वीडियो के सामने आने के बाद इंटरनेट पर कई यूजर्स ने राजन पर सच तोड़ने–मरोड़ने और भारत को कमजोर दिखाने का आरोप लगाया है। राजन ने क्या कहा ज्यूरिख में एक कार्यक्रम के दौरान राजन ने कहा कि मुद्दा रूसी तेल नहीं था यह व्हाइट हाउस में मौजूद कुछ व्यक्तित्वों का मसला था और भारत ने ट्रंप की टिप्पणी को कैसे लिया, इसका असर पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने ट्रंप के दावे को स्वीकार कर उसके पक्ष में बयान दिए, जबकि भारत ने कहा कि संघर्ष विराम बिना अमेरिकी भूमिका के हुआ था। राजन के अनुसार पाकिस्तान ने खेल समझा और ट्रंप को श्रेय दिया, इसलिए उसे 19% टैरिफ झेलना पड़ा, जबकि भारत को 50% टैरिफ लगाया गया।

आलाव ताप रहे पाँच लोगो को तेज रफ्तार कार ने रौंदा

एक की घटना स्थल पर ही मौत चार अन्य गभीर रूप से घायल

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। जिले के छिबरामऊ थाना क्षेत्र के तालग्राम के बहावलपुर गांव में बुधवार की सुबह करीब 7रू00 बजे किराने की दुकान के आगे अलाव ताप रहे पांच लोगों को गाजियाबाद से लखनऊ की तरफ आ रही अल्टो कार ने भीषण टक्कर मार दी। कार की टक्कर से दिलीप कुमार बाथम पुत्र प्यारेलाल उम्र 55 वर्ष की घटना स्थल पर ही मौत हो गई अन्य चार आकाश शाक्य पुत्र वृंदावन उम्र 17 वर्ष सर्वेश शाक्य पुत्र राम प्रकाश उम्र 20 वर्ष कुंज बिहारी पुत्र रामाश्रय उम्र 40 वर्ष मनसुख वर्मा पुत्र सदन लाल उम्र 45 वर्ष सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों के द्वारा छिबरामऊ शौ सैया अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने दिलीप बाथम को मृत्यु घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने कार चालक और उसके साथ बैठे एक अन्य व्यक्ति को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया।

मृतक दिलीप बाथम टेलरिंग का काम करके अपने परिवार को चलाता था वह अपने पीछे अपनी पत्नी पुष्पा पुत्र विमल व अनुज को छोड़ गया मृतक दिलीप का बीच वाला पुत्र कमल जनवरी में बीमारी के कारण मर गया था।

सहूलियत : एनसीएल 104 करोड़ : की लागत से गोरबी क्षेत्र में एनएच-39 पर स्लिप रोड सहित बना रहा फ्लाईओवर

इस पहल से स्थानीय समुदाय का गोरबी बाजार व एनएच तक की पहुँच होगी बेहद आसान

बीएनई

सिंगरौली। सिंगरौली परिक्षेत्र को विकास की एक और सौगात देते हुए भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण के साथ एनसीएल अब गोरबी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–39) पर स्लिप रोड के साथ फ्लाईओवर बनवा रही है। 104 करोड़ रुपये की लागत से चल रही एनसीएल की इस महत्वाकांक्षी परियोजना में फ्लाईओवर निर्माण के साथ स्लिप रोड, एप्रोच रोड, अंडरपास जैसी अनुषांगिक संरचनाएं शामिल हैं। इस पहल के तहत एनसीएल के ब्लॉक–बी परियोजना को जाने वाली रेलवे लाइन के ऊपर स्लिप रोड सहित एलीवेटेड रोड बनाया जा रहा है जो बरगवां की तरफ से आने वाले एनएच–39 पर सोलंग मोड़ के पास से शुरू होकर महदेईया रेलवे क्रॉसिंग पर समाप्त हो रहा है। यदि स्लिप रोड के साथ एप्रोच रोड की भी लंबाई जोड़ दिया जाए तो एनसीएल द्वारा निर्मित कराए जाने वाली इस सड़क की कुल लंबाई लगभग 2.5 किलोमीटर है। इस फ्लाईओवर में दोनों ओर स्लिप रोड बनाए जा रहे हैं, जो गोरबी बाजार, नौढ़िया, सोलंग, महदेईया, फुलझर, लोटान, पढ़री, ठुरुआ, पिपरा आदि जाने वाले यात्रियों को सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने में सहायक होंगे व यात्रा को आसान व सुविधाजनक बनाएँगे। इस पहल के माध्यम से कोयला वाहनों को बिना गोरबी बाजार में जाए सीधे एनएच पर पहुँचने की सुविधा मिलेगी जिससे गोरबी बाजार में यातायात सुगम होगा तथा स्थानीय जनमानस को जाम की समस्या से निजात मिलेगी। इस कार्य को राष्ट्रीय राजमार्ग–39 की नोडल एजेंसी एमपीआरडीसी द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। गौरतलब है कि निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग के बन जाने के बाद स्थानीय जनमानस को 2–3 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय कर एनएच पर पहुँचना होता, लेकिन एनसीएल की इस पहल से एनएच के दोनों तरफ के स्थानीय रहवासियों की गोरबी बाजार और एनएच की पहुँच बेहद आसान हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि एनसीएल सिंगरौली परिक्षेत्र के सड़कों के विकास के लिए सदैव तत्पर है। इसी दिशा में एनसीएल ने पृथक कोल परिवहन की व्यवस्था के साथ 5–लेन एक्सप्रेस–वे, दुधिचुआ से शक्तिनगर 4–लेन का निर्माण किया है। साथ ही निगाही से जयंत व जयंत से 5–लेन एक्सप्रेस–वे तक की सड़क का सुदृढ़ीकरण किया है। मोरवा क्षेत्र में कांटा मोड़ से सर्किट हाउस तक उच्च गुणवत्ता वाला 4–लेन सीसी रोड का निर्माण प्रक्रियाधीन है।

ट्रूकॉलर ने पूरे परिवार को फ़ोन पर होने वाले स्कैम से बचाने के लिए लॉन्च किया फैमिली प्रोटेक्शन

बीएनई

देहरादून। ट्रूकॉलर ने आज एक नए और बेहद महत्वपूर्ण फीचर, यानी फैमिली प्रोटेक्शन के लॉन्च की घोषणा की, ताकि परिवार अपने अनुभवों को एक–दूसरे से साझा करके इस डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रह सकें। फैमिली प्रोटेक्शन सीधे एंड्रॉइड और आईओएस पर उपलब्ध ट्रूकॉलर ऐप में मौजूद है, जिससे यूज़र्स को भरोसेमंद फ़ैमिली ग्रुप बनाने की सुविधा मिलती है ताकि उन्हें स्कैम और अनचाहे कॉल से तुरंत सुरक्षा मिल सके। एंड्रॉइड की बात करें, तो फ़ैमिली एडमिनिस्ट्रेटर को उस फैमिली ग्रुप के दूसरे सदस्यों के फोन पर आने वाले संभावित स्कैम कॉल का अलर्ट मिल सकता और वो ऐसे कॉल को दूर बैठे ही बंद कर सकता है।

परिवार की सुरक्षा के लिए एक नई पेशकश– फ़ैमिली प्रोटेक्शन के ज़रिये ज़्यादा–से–ज़्यादा पाँच लोग ही एक भरोसेमंद फ़ैमिली ग्रुप में जुड़ सकते हैं, जहाँ शेयर किए गए टूल्स उन्हें स्कैम कॉल से सुरक्षित रहने में मदद करते हैं। हर ग्रुप में एक फ़ैमिली एडमिन होता है, जो प्रोटेक्शन लेवल सेट कर सकता है, ब्लॉकलिस्ट को मैनेज कर सकता है, साथ ही अनचाहे कॉल्स को संभालने के बारे में भी निर्देश दे सकता है। एंड्रॉइड की बात करें, तो एडमिन संदिग्ध कॉल आने पर रियल–टाइम सपोर्ट टूल्स का इस्तेमाल करके भी कार्रवाई कर सकता है। इसका उद्देश्य बेहद सरल हैरू टेक्नोलॉजी की कम जानकारी रखने वाले अपनों के लिए स्कैम कॉल्स से बचाव को आसान बनाना, क्योंकि स्कैम कॉल के तरीके लगातार बेहतर हो रहे हैं। दमदार सुरक्षा और दूर रहकर भी संभालने की सुविधा– फ़ैमिली प्रोटेक्शन में फ़ैमिली एडमिन को पूरे ग्रुप में सुरक्षा बनाए रखने के लिए टूल्स का एक सेट मिलता है। फ़ैमिली एडमिन सुरक्षा के स्तर तय कर सकता है और उसे अपडेट कर सकता है, ब्लॉकलिस्ट संभाल सकता है और ज़रूरत के समय रिमोट सपोर्ट टूल का इस्तेमाल कर सकता है। एंड्रॉइड पर, एडमिन को संभावित स्कैम कॉल के दौरान अलर्ट भी मिल सकता है, दूर से ही फैमिली ग्रुप में आने वाले संदिग्ध कॉल की जानकारी प्राप्त कर सकता है, साथ ही बैटरी लेवल, फोन एक्टिविटी और उपलब्धता जैसी मौजूदा स्थिति के संकेत तुरंत देख सकता है। ये टूल्स परिवारों को बेहतर जानकारी देते हैं कि उनके अपने फ़ोन का इस्तेमाल कैसे कर रहे हैं, और इस तरह ज़रूरत पड़ने पर उनकी मदद करने में आसानी होती हैं। ज़्यादा जुड़ाव और प्रीमियम में बदलकर विकास को बढ़ावा देने वाला– फैमिली प्रोटेक्शन की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है, पर यह जुड़ाव और लंबे समय तक रेवेन्यू के लिए एक नया रास्ता खोलता है। परिवारों को एक–दूसरे की सुरक्षा में मदद करके, ट्रूकॉलर रोज़मर्रा के संचार में अपनी भूमिका को मजबूत करता है और साझा सुरक्षा के स्तर को बेहतर बनाता है, जिससे बार–बार इस्तेमाल करने को बढ़ावा मिलता है।

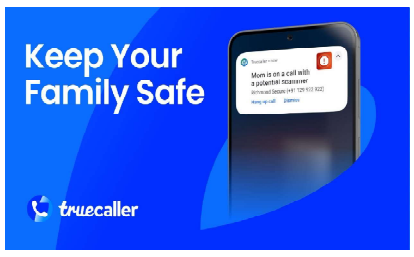

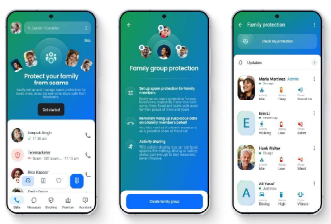

इस मौके पर ट्रूकॉलर के सीईओ, ऋषित झुनझुनवाला ने कहा, "ट्रूकॉलर का इस्तेमाल तो परिवार के सदस्य पहले से ही कर रहे हैं और अब हमने परिवार के सीटीओ को यह सुविधा उपलब्ध कराई है कि वे कम तकनीकी समझ वाले सदस्यों की भी सुरक्षा कर सकें। धीरे–धीरे स्कैम के तरीके बदल रहे हैं, इसलिए हम ट्रूकॉलर को ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना चाहते हैं, जिस पर परिवार मन की शांति और एहतियाती सुरक्षा के लिए भरोसा करें।"

बुमराह की बॉल पर छक्का लग जाए तो डॉक्यूमेंट्री बना..., भारतीय कमेंटेटर का PAK क्रिकेटर पर निशाना?

एजेंसी, कटक। भारत ने कटक में खेले गए पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका को 101 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 175 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 12.3 ओवर में 74 रन पर सिमट गई। हार्दिक पांड्या की तूफानी बल्लेबाजी और सधी हुई गेंदबाजी ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच बनाया। हालांकि, हार्दिक से ज्यादा चर्चा भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के एक बयान की हो रही है। आकाश बिना नाम लिए और इशारों–इशारों में पाकिस्तान के ओपनर बल्लेबाज साहिबजादा फरहान पर निशाना साधते दिखे। आइए पूरा मामला जानते हैं। क्या बोला था आकाश ने? दरअसल, दक्षिण अफ्रीका की पारी के चौथे ओवर में एक वक्त टीम ने दो विकेट गंवाकर 28 रन बना लिए थे। चौथा ओवर जसप्रीत बुमराह डाल रहे थे और इस ओवर की पांचवीं गेंद पर एडेन मार्करम ने छक्का जड़ा। इसके बाद ओवर की आखिरी गेंद बुमराह ने गुड लेंथ पर फेंकी। इसे मार्करम ने सामने की डिफेंस किया। बुमराह ने गेंद को रोका। तभी कमेंट्री कर रहे आकाश चोपड़ा ने कहा– बुमराह को छक्का मारना इतना आसान नहीं होता।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **धर्मेन्द्र सिंह** द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित तथा एमआईजी-47, सेक्टर-ई, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक-अंजू सिंह (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) Email-lkojunction@gmail.com. RNI NO.-UPHIN/2015/64743